हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

स्वामित्व योजना में सुस्ती पर बड़ी कार्रवाई



शहडोल। प्रशासनिक कामकाज में सुस्ती और सरकारी योजनाओं में ढिलाई बरतने वालों के खिलाफ कलेक्टर पार्थ जायसवाल का सख्त रवैया जारी है। समय-सीमा की बैठक में स्वामित्व योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने लक्ष्य में पिछड़ने वाले अफसरों पर गाज गिराई है। योजना में अपेक्षित सुधार न लाने के चलते तहसीलदार ब्यौहारी सहित नायब तहसीलदार पपौध और बुढ़वा को एक-एक वेतन वृद्धि (इंक्रीमेंट) रोकने का नोटिस जारी करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

एक तरफ जहां लापरवाही पर डंडा चला, वहीं बेहतरीन काम करने वाले अधिकारियों की पीठ भी थपथपाई गई। बुढ़ार और सोहागपुर तहसील में स्वामित्व योजना के तहत शानदार प्रगति दर्ज करने पर कलेक्टर ने संबंधित एसडीएम और तहसीलदारों के कार्यों की खुलकर सराहना की।बैठक में जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति, डीएफओ तरूणा वर्मा, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम काजल सिंह, अमृता गर्ग, दीपक मंडावी, अर्चना मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे व एन्टोनियो एक्का सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

10 साल से निष्क्रिय खातों की कराएं ई-केवाईसी

शहडोल। विभिन्न सरकारी विभागों और स्थानीय निकायों के बैंकों में बरसों से फंसे बजट को लेकर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने समय-सीमा की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए हैं कि 10 वर्ष से अधिक समय से निष्क्रिय पड़े शासकीय खातों की तत्काल ई-केवाईसी करवाकर जमा राशि का जनकल्याणकारी कार्यों में उपयोग सुनिश्चित किया जाए। जिला कोषालय अधिकारी दिवाकर मिश्रा ने स्पष्ट किया कि यदि 30 अक्टूबर 2026 तक संबंधित विभाग इन खातों का निराकरण नहीं करते हैं, तो यह मान लिया जाएगा कि उन्हें इस राशि की आवश्यकता नहीं है।



एक बर के पेड़ से शुरू हुई कहानी, आज हजारों नारियलों से बंधी हैं मन्नतें

शहडोल के जंगलों में विराजमान डायन माता धाम की अनोखी लोककथा

जहां नवरात्र में उमड़ते हैं श्रद्धालु, खूनी माता के नाम से भी होती है पूजा

शहडोल। घने जंगलों के बीच एक ऐसा धाम है, जिसका नाम सुनते ही मन में जिज्ञासा पैदा होती है। यहां विराजमान हैं डायन माता, जिन्हें स्थानीय लोग खूनी माता के नाम से भी जानते हैं। मान्यता है कि कभी यहां एक विशाल बर के पेड़ के नीचे पशुओं की रक्षा के लिए प्रार्थना की जाती थी। वक्त बदला, आस्था बढ़ी और देखते ही देखते यह स्थान श्रद्धालुओं की मन्नतों का केंद्र बन गया। लाल कपड़ों में बंधे हजारों नारियल यहां आने वाले भक्तों की मनोकामनाओं की कहानी कहते हैं।

जंगलों के बीच अनोखा धाम

शहडोल। जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर, बुढ़ार जनपद पंचायत और जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भैंसाताल में स्थित है डायन माताधाम। चारों तरफ जंगलों से घिरे इस इलाके में बैगा, गोंड, कोल सहित विभिन्न आदिवासी समुदायों की आबादी है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कभी यहां दूर-दूर तक घने जंगल और छोटी-छोटी बस्तियां हुआ करती थीं। आज इसी वन क्षेत्र के बीच बना यह धाम आसपास के गांवों के साथ दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुका है। यहां स्थापित माता की प्रतिमा का स्वरूप भी अपने आप में अलग और रहस्यमयी दिखाई देता है।

चार दशक पुरानी लोककथा

ग्रामीण बुजुर्गों की मानें तो डायन माता धाम की कहानी करीब चार दशक पुरानी बताई जाती है। उस समय इस क्षेत्र में आबादी कम थी और दस से बारह घरों वाली छोटी-छोटी बस्तियां एक-दूसरे से कई किलोमीटर दूर बसी थीं। लोगों की आजीविका खेती, पशुपालन और दूध पर निर्भर थी। लोककथा के मुताबिक, पशुओं को सुबह जंगल में चरने के लिए छोड़ा जाता, लेकिन कुछ पशु वापस नहीं लौटते थे। इससे ग्रामीण परेशान रहने लगे। पशुओं के लापता होने की घटनाओं ने उनकी आजीविका और जीवन-यापन को लेकर चिंता बढ़ा दी। इसी बीच ग्रामीणों की नजर एक विशाल बरगद के पेड़ पर गई, जो उस समय आसपास के इलाके का प्रमुख पड़ाव हुआ करता था।

बर के पेड़ से जुड़ी आस्था

स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि विशाल बर का पेड़ अपनी छतरी जैसी शाखाओं के कारण लोगों और पशुओं को छाया देता था। गर्मी हो या बारिश, यह पेड़ यात्रियों और ग्रामीणों के लिए विश्राम का ठिकाना था। आसपास के गांवों के लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते समय भी यहां रुकते थे। स्थानीय मान्यताओं में बरगद के पेड़ को रहस्यमयी शक्तियों से जोडक़र देखा जाता था। लोककथा के अनुसार, जब पशुओं के लापता होने की समस्या बढ़ी, तो ग्रामीणों ने इसी पेड़ के सामने प्रार्थना कर अपने जानवरों की रक्षा की गुहार लगाई। माना जाता है कि यहीं से पेड़ के प्रति आस्था और आगे चलकर डायन माता की पूजा की परंपरा को बल मिला।



लाल कपड़ों में बंधी हजारों मन्नतें

आज इस धाम की पहचान यहां बंधे हजारों नारियल हैं। श्रद्धालु माता के सामने अपनी मनोकामना रखते हैं और नारियल को लाल कपड़े में बांधकर मंदिर परिसर में छोड़ देते हैं। स्थानीय मान्यता है कि मन्नत पूरी होने के बाद श्रद्धालु वापस आकर नारियल खोलते हैं और अपनी श्रद्धा के अनुसार भंडारा, बकरे और मुर्गे की बलि के अलावा धार्मिक आयोजन अन्य अनुष्ठान करते हैं। चोरी की घटना में सामान मिलने, गुम हुए पशु के वापस आने, संतान प्राप्ति और पढ़ाई में सफलता जैसी अलग-अलग इच्छाएं लेकर लोग यहां पहुंचते हैं।

नवरात्र में उमड़ती है भीड़

चैत्र और शारदीय नवरात्र के दौरान डायन माता धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ जाती है। शहडोल और अनूपपुर के अलावा आसपास के क्षेत्रों से भी लोग यहां पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, डायन माता को खूनी माता के नाम से भी जाना जाता है। यहां कुछ श्रद्धालु अपनी परंपरा के अनुसार मुर्गे और बकरे की बलि भी चढ़ाते हैं। मंदिर तक पहुंचने के लिए पंचायत की ओर से गांव से परिसर को जोडऩे कच्ची सडक़ बनाई गई है, लेकिन जंगलों के बीच स्थित होने के कारण यहां पहुंचना अब भी कई लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। नवरात्र के समय यह स्थान स्थानीय आस्था, परंपरा और ग्रामीण संस्कृति का एक विशिष्ट केंद्र बन चुका है।

हनुमान जी अध्यक्ष, डायन माता संरक्षक

इस धाम से जुड़ी एक और दिलचस्प जनश्रुति मंदिर समिति की स्थापना को लेकर है। स्थानीय लोगों के बीच प्रचलित एक कहानी के अनुसार, क्षेत्र में जमीन पर कब्जे और आदिवासी समुदाय के साथ कथित अत्याचारों को लेकर तनाव की स्थिति थी। इसी दौर में कुछ लोगों ने समिति बनाई और डायन माता को उसका संरक्षक माना। बताया जाता है कि बाद में हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित की गई और उन्हें समिति का अध्यक्ष बनाया गया। यह प्रसंग धाम की स्थानीय परंपरा में खास स्थान रखता है।

बिना अनुमति छुट्टी ली तो कटेगा वेतनः कलेक्टर

व्हाट्सएप और मौखिक छुट्टियों पर रोक

शहडोल। जिले में शासकीय कामकाज और कार्यालयीन अनुशासन को पटरी पर लाने के लिए प्रशासन ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए एक सख्त आदेश जारी किया है। अब अधिकारी और कर्मचारी व्हाट्सएप, एसएमएस या मौखिक सूचना देकर अपनी मर्जी से छुट्टी पर नहीं जा सकेंगे। ऐसा करने वालों के खिलाफ सीधे वेतन कटौती और अनुशासनात्मक कार्रवाई की गाज गिरेगी।



प्रशासन के संज्ञान में आया था कि कई अधिकारी और कर्मचारी बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति लिए ही दफ्तर से गायब हो रहे हैं। इतना ही नहीं, छुट्टी के लिए निर्धारित आवेदन प्रक्रिया का पालन करने के बजाय सीधे व्हाट्सएप पर मैसेज भेजकर अवकाश पर प्रस्थान किया जा रहा था। कलेक्टर ने इसे शासकीय कार्यों की पदीय गरिमा और अनुशासन के बिल्कुल विपरीत माना है।

कलेक्टर के नए आदेश के मुताबिक, अब किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को कार्यालय से अनुपस्थित रहने से पहले सक्षम अधिकारी से बाकायदा अवकाश की पूर्व स्वीकृति लेनी होगी। छुट्टी का आवेदन हमेशा निर्धारित प्रारूप में ही विधिवत प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है। स्पष्ट कर दिया गया है कि व्हाट्सएप, एसएमएस या मौखिक सूचना पर कोई भी अवकाश मान्य नहीं किया जाएगा।

यदि भविष्य में कोई भी अधिकारी या कर्मचारी बिना पूर्व स्वीकृति के अवकाश पर पाया जाता है, तो प्रशासन ने चेतावनी दी है कि उस अवधि पर नो वर्क, नो पे (न काम, न वेतन) का सिद्धांत लागू होगा। उस दिन का वेतन काटने के साथ-साथ संबंधित लापरवाह कर्मचारी या अधिकारी के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। इस कड़े आदेश के बाद से महकमे में हडक़ंप मच गया है।

सीएम हेल्पलाइन में फिसड्डी रहे अधिकारियों का वेतन रोकने का अल्टीमेटम

जनजातीय कार्य और आबकारी विभाग को थमाया नोटिस

शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने प्रशासनिक कामकाज और जनशिकायतों के निपटारे में कोताही बरतने वाले अधिकारियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। समय-सीमा की बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन के मामलों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने दो टूक चेतावनी दी है कि जिन विभागों में शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण 80 प्रतिशत से कम पाया जाएगा, उन संबंधित अधिकारियों का वेतन रोक दिया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जो शिकायतें अब तक संतोषजनक ढंग से बंद नहीं की गई हैं, उन्हें तुरंत रीओपन किया जाए और पूरी गंभीरता के साथ उनका गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित



किया जाए। इसके साथ ही, उन्होंने 1000 दिन से अधिक समय से लंबित पड़ी शिकायतों की भी गहन समीक्षा की और अधिकारियों को इन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन के कार्यों में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर कलेक्टर ने खासी नाराजगी जताई। काम में लापरवाही और उदासीनता बरतने के चलते सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, आयुष विभाग और आबकारी विभाग के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन के इस रुख से महकमे में भारी खलबली मच गई है।

समीक्षा बैठक के दौरान जिला पंचायत के सीईओ शिवम प्रजापति, उत्तर वनमंडल की वनमंडलाधिकारी तरूणा वर्मा, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम काजल सिंह, अमृता गर्ग, दीपक मंडावी, अर्चना मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे और एन्टोनियो एक्का सहित जिले के तमाम प्रमुख विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर की इस सख्त चेतावनी के बाद अब सभी विभागों पर शिकायतों के त्वरित निपटान का भारी दबाव बन गया है।

अमलाई में गूंजा ऐतिहासिक गरबा महोत्सव का उल्लास



अमलाई । नगर परिषद बरगवां अमलाई अंतर्गत वार्ड क्रमांक 07 बसंतपुर दफाई में मां जगदंबे की आराधना, भक्ति और सांस्कृतिक उल्लास का ऐसा अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय कर दिया। महादेव संकट मोचन नवदुर्गा उत्सव समिति बसंतपुर एवं चीनी मित्र मंडली के संयुक्त आयोजन में भव्य गरबा महोत्सव ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मां की आरती से शुरू हुए इस आयोजन में मातृशक्तियों की मनमोहक प्रस्तुतियों, आकर्षक झांकियों और भगवान शिव के तांडव व माता सती की प्रेमगाथा पर आधारित विशेष प्रस्तुति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के दर्शन किए और गरबा नृत्य का आनंद उठाया। आयोजन की भव्यता, अनुशासित व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की चर्चा अमलाई से लेकर शहडोल संभाग के विभिन्न क्षेत्रों तक होती रही।

चीनी मित्र मंडली की पहल ने रचा भव्य आयोजन का इतिहास

वार्ड क्रमांक 7 के पवन चीनी के नेतृत्व में चीनी मित्र मंडली ने इस वर्ष भी मां जगदंबे के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा और समर्पण का परिचय दिया। माता के आगमन पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा से ही आयोजन की विशालता का अंदाजा लगने लगा था। इसके बाद सजे-धजे माता दरबार और गरबा महोत्सव ने श्रद्धालुओं के उत्साह को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया।

चीनी मित्र मंडली के सदस्यों, महिलाओं की टीम और स्वयंसेवकों ने आयोजन की



तैयारियों से लेकर व्यवस्थाओं तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गरबा के दौरान एक के बाद एक प्रस्तुतियों ने ऐसा समां बांधा कि उपस्थित श्रद्धालु तालियों की गूंज के साथ कलाकारों का उत्साह बढ़ाते नजर आए। गरबा महोत्सव का सबसे भावुक और आकर्षक क्षण उस समय आया, जब महज तीन वर्ष की एक नन्ही बच्ची ने हजारों श्रद्धालुओं के बीच शानदार नृत्य प्रस्तुति दी। इतनी कम उम्र में बच्ची का आत्मविश्वास और मनमोहक अंदाज देखकर उपस्थित लोग मंत्रमुग्ध हो गए। बच्ची की प्रस्तुति से प्रभावित होकर चीनी मित्र मंडली के प्रमुख पवन चीनी स्वयं को रोक नहीं सके और बच्ची के साथ नृत्य करते हुए उसका उत्साह बढ़ाया। इस दौरान पूरा परिसर तालियों की गडगड़ाहट से गूंज उठा। पवन चीनी ने बच्ची को 5,100 रुपये की नगद राशि देकर सम्मानित किया और उसकी प्रतिभा का उत्साहवर्धन किया। इस पहल ने आयोजन में चार चांद लगा दिए और छोटी-सी उम्र में प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का प्रेरक संदेश दियाबसंतपुर के गरबा महोत्सव में केवल नृत्य और संगीत ही नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और पौराणिक कथाओं का भी अनूठा संगम देखने को मिला। भगवान शिव के शिव तांडव तथा माता सती की प्रेमगाथा पर आधारित विशेष प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। पौराणिक प्रसंगों को आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत कर कलाकारों ने शिव और सती के प्रेम, समर्पण तथा शक्ति के महत्व को जीवंत करने का प्रयास किया। माता सती के प्रसंग और शक्तिपीठों की धार्मिक मान्यता से जुड़ी इस प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं के मन में विशेष प्रभाव छोड़ा। कार्यक्रम की यह प्रस्तुति महोत्सव की प्रमुख विशेषताओं में शामिल रही। दर्शक देर तक प्रस्तुतियों का आनंद लेते रहे और कलाकारों की मेहनत की सराहना करते नजर आए। चीनी मित्र मंडली के गरबा महोत्सव को लेकर क्षेत्र में पहले से ही खासा उत्साह था। सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार होने के कारण अनूपपुर, शहडोल और उमरिया सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग बसंतपुर पहुंचे।

कोतमा, भालूमाड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों से जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई। विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े प्रतिनिधियों और क्षेत्रीय लोगों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

शहडोल में कलेक्टर पार्थ जायसवाल की दो टूक



शहडोल। जिला मुख्यालय पर आयोजित समय-सीमा की महत्वपूर्ण बैठक में कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने प्रशासनिक अमले को सख्त लहजे में हिदायत दी है। उन्होंने साफ कर दिया है कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान, सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत मिलने वाले तमाम आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण समय पर सुनिश्चित किया जाए। विशेष तौर पर जनविश्वास अभियान के सभी पेंडिंग आवेदनों को शुक्रवार रात 12 बजे तक हर हाल में निपटाने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

समीक्षा बैठक के दौरान प्रशासनिक अनुशासनहीनता भी देखने को मिली। बैठक से बिना किसी सूचना के नदारद रहने पर बुढार के मुख्य नगरपालिका अधिकारी को तुरंत कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर के इस सख्त तेवर से अधिकारियों में हडक़ंप मच गया है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति, उत्तर वनमंडल की डीएफओ तरूणा वर्मा, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम काजल सिंह, अमृता गर्ग, दीपक मंडावी, अर्चना मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे और एन्टोनियो एक्का सहित तमाम प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

साथ जीने का रास्ता न मिला तो

लोक सेवा गारंटी में लापरवाही पर शहडोल प्रशासन का चाबुक



3 नायब तहसीलदार और 3 पंचायत सचिवों पर ठोका जुर्माना

दोबारा चूक हुई तो लगेगा दोगुना दंडः कलेक्टर

शहडोल। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत आम जनता के कामों में लेटलतीफी करना अब अफसरों और कर्मचारियों को भारी पडऩे लगा है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने समय-सीमा (ज़रू) की बैठक में सख्त रुख अपनाते हुए तय सीमा में सेवाएं न देने वाले 3 नायब तहसीलदारों और 3 ग्राम पंचायत सचिवों पर 500-500 रुपये का अर्थदंड (जुर्माना) लगाने का फरमान जारी किया है। कलेक्टर के इस कड़े कदम से जिले के राजस्व और पंचायत महकमे में हडक़ंप मच गया है।

इन अफसरों और कर्मचारियों पर गिरी गाज

बैठक में समीक्षा के दौरान पाया गया कि लोक सेवा गारंटी की अधिसूचित सेवाओं के आवेदनों का समय सीमा के भीतर निराकरण नहीं किया गया था। इस पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने नायब तहसीलदार आमडीह, चुहीरी और जयसिंहनगर पर 500-500 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया। ठीक इसी तरह ग्राम पंचायत स्तर पर लापरवाही बरतने वाले 3 पंचायत सचिवों पर भी 500-500 रुपये की आर्थिक पेनल्टी ठोकी गई है।

अगली बार से लगेगा दोगुना जुर्माना

कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने अधिकारियों को दो टूक लहजे में चेतावनी दी है कि जो अफसर या कर्मचारी बार-बार लोक सेवा गारंटी अधिनियम की सेवाओं को समय पर देने में कोताही बरतेंगे, उनके खिलाफ आगामी बैठकों में दोगुना अर्थदंड अधिरोपित किया जाएगा।

बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद

समीक्षा बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति, उत्तर वनमंडल की डीएफओ तरूणा वर्मा, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम काजल सिंह, अमृता गर्ग, दीपक मंडावी, अर्चना मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे एवं एन्टोनियो एक्का समेत जिले के तमाम विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विसर्जन घाटों और दशहरा मैदानों में ये रहेंगे इंतजाम

शहडोल। आगामी दुर्गा प्रतिमा विसर्जन और दशहरा उत्सव को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने समीक्षा के दौरान निर्देश दिए हैं कि सभी विसर्जन और रावण दहन स्थलों पर सुरक्षा, प्रकाश व आवागमन के कड़े बंदोबस्त किए जाएं। उन्होंने संबंधित एसडीएम को स्वयं ग्राउंड पर जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लेने और समितियों से समन्वय बनाकर कमियों को तुरंत दूर करने के आदेश दिए हैं। कलेक्टर ने विसर्जन स्थलों पर मजबूत बैरिकेडिंग, प्रतिमाओं की क्रमानुसार एंट्री, गोताखोरों/तैराकों की तैनाती, पर्याप्त रोशनी, कंट्रोल रूम और लाउडस्पीकर (उद्घोषणा कक्ष) की व्यवस्था अनिवार्य की है। वहीं, दशहरा उत्सव स्थलों पर फायर ब्रिगेड, निर्बाध बिजली, प्रोटोकॉल के तहत बैठक व्यवस्था और सुगम ट्रैफिक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

मजिस्ट्रेट और पुलिस बल रहेगा तैनात

कार्यक्रमों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों और पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही स्थानीय निकायों को स्वच्छता व बुनियादी सुविधाएं मुस्तैद रखने के लिए कहा गया है।

पानी में डूबा एक व्यक्ति, एसडीआरएफ की 7 सदस्यीय टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी



शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खुसरिया के पास सोन नदी में एक व्यक्ति के डूबने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक और सुरक्षा महकमे में हडक़ंप मच गया। कंट्रोल रूम से मिले इमरजेंसी अलर्ट के तुरंत बाद राज्य आपदा आपातकालीन प्रतिक्रया बल की 7 सदस्यीय विशेष टीम को युद्धस्तर पर घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचते ही बिना वक्त गंवाए सोन नदी में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। गोताखोर और बचाव दल के विशेषज्ञ नदी के तेज बहाव और गहराई वाले हिस्सों में डूबे हुए व्यक्ति की तलाश में जुटे हुए हैं। हालांकि, अंधेरा और नदी का बहाव बचाव कार्य में बड़ी चुनौती बन रहा है, लेकिन टीम लगातार तलाशी अभियान चला रही है। एसडीआरएफ की इस साहसी टीम में अजेश मिश्रा, मुकेश संजोदिया, नरेंद्र परमार, मोहन भिलाला, शारदा प्रताप पटेल और लक्ष्मण सिंह अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके साथ ही वाहन चालक सैनिक धर्मेंद्र वैष्णव भी मौके पर मुस्तैदी से तैनात हैं। फिलहाल डूबे व्यक्ति की पहचान और हादसे के विस्तृत कारणों की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है, जबकि रेस्क्यू टीम हरसंभव प्रयास में जुटी हुई है।

फांसी के फंदे पर झूले प्रेमी-प्रेमिका



शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक प्रेमी जोड़े ने जिंदगी से तंग आकर मौत का रास्ता चुन लिया। एक-दूसरे का साथ न मिलने की मायूसी में प्रेमी युगल ने आम के पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस दर्दनाक वारदात के बाद से पूरे इलाके में हडक़ंप मच गया है।

सीधी से प्रेमिका से मिलने आया था युवक

मृतका की पहचान बड़क़ाडोल निवासी रीना बैगा के रूप में हुई है, जबकि युवक सीधी जिले के डोंगर सरवर निवासी किशोर कुमार बैगा बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, युवक अपनी प्रेमिका से मिलने आया हुआ था। स्थानीय लोगों में चर्चा है कि इस जन्म में एक-दूसरे के न हो पाने से दुखी होकर दोनों ने हमेशा के लिए साथ दुनिया छोडऩे का यह कदम उठाया।

ग्रामीण की नजर पड़ते ही पुलिस को दी सूचना

एक खुले मैदान में स्थित आम के पेड़ पर दोनों के शव लटके देख राहगीर स्तब्ध रह गए। तुरंत जयसिंहनगर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शवों को नीचे उतरवाया और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल खुदकुशी की असल वजहों का खुलासा नहीं हो सका है, पुलिस हर पहलू की पड़ताल कर रही है।

नवरात्र पर्व में पंडालों में विराजी माँ जगत जननी की भव्य एवं आकर्षक प्रतिमाएं


मां दुर्गा उत्सव समिति बाजारपूरा


मां दुर्गा उत्सव समिति पीपल चौक


पांच नंबर चौराहा दुर्गा उत्सव समिति


दुर्गा उत्सव समिति कृष्णा कॉलोनी नौरोजाबाद


रामलीला दुर्गा उत्सव समिति


दुर्गा उत्सव समिति बस स्टैंड मानपुर।

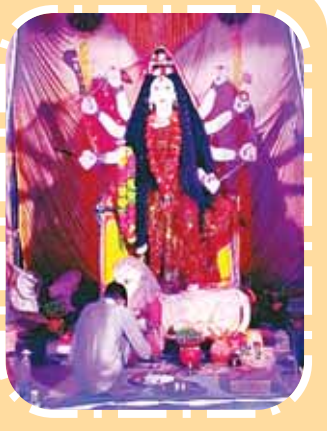
वार्ड क्रमांक 11 बजरंग



जैतहरी नगर में विराजीं मां दुर्गा, भक्तिमय हुआ माहौल

जैतहरी। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर जैतहरी नगर में जगह-जगह मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सजे माता के दरबारों में श्रद्धालु पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। मां दुर्गा की आराधना से नगर का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। जैतहरी नगर में आदिशक्ति दुर्गा समिति, बस्ती जैतहरी, अचानक महाकाली परिवार, लाइन पार जैतहरी, शारदा मंदिर, लाइन पार जैतहरी तथा स्वास्तिक नवदुर्गा समिति, जनपद पंचायत जैतहरी द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमाएं विराजित की गई हैं। इन स्थानों पर श्रद्धालु माता के दर्शन कर रहे हैं और सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। नवरात्र के दौरान माता की आराधना, पूजा-पाठ और धार्मिक आस्था के बीच नगर में उत्सवी माहौल बना हुआ है। विभिन्न समितियों द्वारा स्थापित माता के दरबार क्षेत्र की धार्मिक परंपरा और श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र बने हुए हैं।

शिकायतों का प्राथमिकता से करें निराकरणः प्रभारी कलेक्टर



उमरिया। प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समय सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का तत्परता से निराकरण किया जाए। प्राप्त होने वाली एक एक शिकायतों का विभागीय अधिकारी गहनता से परीक्षण करें तथा उनके निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। प्रभारी कलेक्टर ने फोर्स क्लोज होने वाली शिकायतों को अनिवार्यतः प्रस्तुत करनें के निर्देश दिए। बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेंट न रहे अन्यथा संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। आगामी 23 अक्टूबर को मानपुर में नगरीय निकाय के समस्त वार्डो का भ्रमण मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत किया जाएगा तथा शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होने कहा कि शिविर आयोजन से पूर्व संबंधित क्षेत्र की शिकायतों का तत्परता से निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होने निर्देश दिए कि सभी विभागीय अधिकारी भ्रमण के दौरान अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होने मुख्यमंत्री कार्यालय एवं कमिश्नर कार्यालय शहडोल से प्राप्त शिकायतों का तत्परता पूर्वक निराकरण कराएं जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर का एसडीएम ने किया निरीक्षण



उमरिया। जिला अस्पताल के बिजली पैनल में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसे दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देश पर एसडीएम मानपुर श्रीमती हरनीत कौर कलसी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की विद्युत व्यवस्था, सुरक्षा इंतजामों एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

दशहरा पर रामलीला मैदान में होगा रावण दहन, सुरक्षा व्यवस्था में जुटी पुलिस

नौरोजाबाद में आस्था का सैलाब, दुर्गा पंडालों में उमड़ी भीड़

नौरोजाबाद। कोयलांचल नगरी नौरोजाबाद में शारदीय नवरात्रि को लेकर श्रद्धा और उत्साह का माहौल है। नगर के प्रमुख चौक-चौराहों और कॉलोनियों में स्थापित मां दुर्गा एवं मां काली की भव्य प्रतिमाओं के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वहीं, विजयादशमी पर ऐतिहासिक रामलीला मैदान में भगवान श्रीराम द्वारा रावण दहन किया जाएगा।

5 नंबर पानी टंकीः मां काली के रौद्र रूप के दर्शन

नगर के 5 नंबर पानी टंकी के पास वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी मां काली की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। प्राकृतिक जंगल, बादलों और झरनों की आकर्षक पृष्ठभूमि में सजी झांकी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण बनी हुई है। मां के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं।

5 नंबर चौराहाः श्वेत वर्ण मां शेरावाली की मनमोहक प्रतिमा

5 नंबर चौराहे पर श्वेत वर्ण की अष्टभुजाधारी मां शेरावाली की आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई है। लाल और सुनहरे परिधान में सजी माता की प्रतिमा श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है। पंडाल में दर्शन-पूजन के लिए भक्तों का आना-जाना लगा हुआ है।

कृष्णा कॉलोनीः महिषासुर मर्दिनी स्वरूप में विराजीं मां दुर्गा

कृष्णा कॉलोनी में स्थानीय रहवासियों के सहयोग से मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। महिषासुर मर्दिनी स्वरूप में विराजीं माता की प्रतिमा श्रद्धालुओं के बीच आस्था का केंद्र बनी हुई है। कॉलोनी के लोग प्रतिदिन सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

रामलीला मैदानः सजा मां दुर्गा का भव्य दरबार

रामलीला मैदान में मां दुर्गा के साथ भगवान गणेश, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती और भगवान कार्तिकेय की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। नौ कलशों से सुसज्जित पंडाल में धार्मिक अनुष्ठान और चंडी पाठ आयोजित किए जा रहे हैं। इसी मैदान में विजयादशमी के अवसर पर पारंपरिक रावण दहन का कार्यक्रम भी आयोजित होगा, जिसे लेकर नगरवासियों में उत्साह है।



बस स्टैंडः मां दुर्गा के दर्शन के लिए उमड़ रहे श्रद्धालु

नगर के मुख्य बस स्टैंड पर दुर्गा उत्सव समिति द्वारा मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। सुनहरे और पीले परिधान में सजी माता की प्रतिमा विशेष आकर्षण बनी हुई है। मुख्य मार्ग पर स्थित होने के कारण यहां श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रहती है। समिति के सदस्य व्यवस्थाएं संभालने में जुटे हैं।

पीपल चौकः हरे परिधान में मां दुर्गा का राजसी स्वरूप

नगर के पीपल चौक पर मां दुर्गा की प्रतिमा को आकर्षक हरे रंग के परिधान में सजाया गया है। पंडाल को स्वर्ण महल जैसी सजावट और नक्काशीदार स्वरूप दिया गया है। माता के दर्शन के लिए स्थानीय श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पंडाल की आकर्षक साज-सज्जा लोगों का ध्यान खींच रही है।

बाजारपुराः नौ कलश और जवारे बने आकर्षण

बाजारपुरा स्थित मां दुर्गा उत्सव समिति के पंडाल में सुनहरे और कॉपर रंग के परिधान में मां जगदम्बा की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। माता के सम्मुख वैदिक विधि-विधान से स्थापित नौ कलश और चारों ओर लहलहाते जवारे झांकी की शोभा बढ़ा रहे हैं। आकर्षक पुष्प सज्जा के बीच मां के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

महाआरती और धार्मिक आयोजनों में जुट रहे भक्त

नगर के विभिन्न दुर्गा पंडालों में सुबह 7:30 बजे और शाम 8 बजे महाआरती आयोजित की जा रही है। आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर मां दुर्गा की आराधना कर रहे हैं। उत्सव समितियों द्वारा धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

दशहरा पर रावण दहन, सुरक्षा में पुलिस मुस्तैद

नवरात्रि और दशहरा पर्व को देखते हुए नौरोजाबाद पुलिस एवं महिला पुलिस बल द्वारा सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रमुख चौराहों और पूजा पंडालों में गश्त कर कानून व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। विजयादशमी पर रामलीला मैदान में होने वाले रावण दहन कार्यक्रम को लेकर नगरवासियों में विशेष उत्साह है।

कोतमा में 40 फीट ऊंचे रावण का होगा दहन, विजयदशमी की तैयारियां तेज



कोतमा। विजयदशमी पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए नगर सहित कोयलांचल क्षेत्र में तैयारियां शुरू हो गई हैं। जगह-जगह रावण के पुतले का निर्माण किया जा रहा है। कोतमा नगर में नगर पालिका प्रशासन द्वारा ठाकुर बाबा धाम मैदान में 40 फीट ऊंचे रावण के पुतले का निर्माण कराया जा रहा है। पर्व को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ ने बताया कि विजयदशमी के अवसर पर ठाकुर बाबा धाम मैदान में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के प्रतीकात्मक स्वरूप में रावण दहन किया जाएगा। इस दौरान आतिशबाजी भी की जाएगी। नगर पालिका प्रशासन द्वारा रावण के पुतले का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि विजयदशमी का पर्व उत्साह और परंपरागत तरीके से मनाया जा सके। विजयदशमी पर्व के अवसर पर बुधवार, 21 अक्टूबर को दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्था भी नगर पालिका द्वारा की जा रही है। इसके लिए बूढ़ानपुर रोड पर बनाए गए कुंड की साफ-सफाई कराई जा रही है। साथ ही कुंड के आसपास सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रकाश की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए लाइट लगाने का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन द्वारा रावण दहन स्थल और प्रतिमा विसर्जन कुंड पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है, जिससे विजयदशमी के अवसर पर नगरवासियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकला माता बिरासनी का ऐतिहासिक जवारा जुलूस







उमरिया। जिले के बिरसिंहपुर पाली स्थित प्रसिद्ध जगत जननी माता बिरासनी शक्तिपीठ में ऐतिहासिक जवारा जुलूस धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकाला गया। इस दौरान पूरा नगर माता के जयकारों से गूंज उठा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। जुलूस में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर माता के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। सर्व प्रथम प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने मां विरासिनी एवं मा काली की विधि विधान से पूजा अर्चना की तत्पश्चात जवारा कलश मंदिर प्रांगण से प्रारंभ हुआ। इस दौरान विधायक मानपुर सुश्री मीना सिंह की विशेष उपस्थिति रही। यह जवारा कलश विभिन्न मार्गो से होते हुए स्थानीय सगरा तालाब पहुंचा , जहां विधि विधान के साथ जवारा कलशों का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद पाली की अध्यक्ष शंकुतला प्रधान, एसडीएम पाली मीनांक्षी इंगले, तहसीलदार नीलेश सिंह, नायब तहसीलदार लक्ष्मीकांत शर्मा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। प्रदेश सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे भक्तों ने माता बिरासनी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ निकले जवारा जुलूस ने नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ माता के जवारों के दर्शन किए। जवारा जुलूस और विसर्जन के दौरान शासन-प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। इस दौरान लगभग 5600 जवारा कलशों का नगर भ्रमण कराने के बाद विधि-विधान से विसर्जन किया गया। माता बिरासनी का यह ऐतिहासिक जवारा जुलूस आस्था, परंपरा और भक्ति का अनूठा संगम रहा। बड़ी संख्या में जवारों का एक साथ नगर भ्रमण और विसर्जन इस आयोजन को विशेष बनाता है। धार्मिक उत्साह और श्रद्धा से सराबोर इस आयोजन ने पूरे नगर को भक्तिमय वातावरण में रंग दिया।

वार्ड क्रमांक 8 इस्लामगंज रोड पर विराजीं मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा, चौरा धाम में कन्या भोज का आयोजन किया गया

माता रानी की भक्ति में सराबोर हुआ क्षेत्र, श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया नवरात्रि पर्व





कोतमा'। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर कोतमा नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में माता रानी की भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। जगह-जगह मां दुर्गा की भव्य प्रतिमाएं स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसी क्रम में नगर के वार्ड क्रमांक 8 स्थित इस्लामगंज रोड पर शंकर मंदिर के सामने मां दुर्गा की आकर्षक एवं भव्य प्रतिमा स्थापित की गई, जहां माता रानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। वार्ड क्रमांक 8 इस्लामगंज रोड पर शंकर मंदिर के सामने स्थापित मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रही। माता रानी के दरबार में भक्तों ने पहुंचकर पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। नवरात्रि के पावन पर्व पर मां दुर्गा की आराधना को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। नवरात्रि का पर्व भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में विशेष महत्व रखता है। इन नौ दिनों में भक्त मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा कर जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। नगर में स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं के माध्यम से धार्मिक आस्था और सामाजिक सहभागिता का सुंदर दृश्य देखने को मिला। नवरात्रि के पावन अवसर पर चौरा धाम में कन्या भोज का आयोजन भी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में कन्या पूजन और कन्या भोज का विशेष महत्व होता है। इस परंपरा के अंतर्गत कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन किया जाता है तथा उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन कराया जाता है। चौरा धाम में आयोजित कन्या भोज के माध्यम से नवरात्रि की धार्मिक परंपरा का निर्वहन किया गया। इस प्रकार के आयोजनों से समाज में धार्मिक आस्था, सेवा भावना और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रोत्साहन मिलता है। कन्या भोज न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि समाज को बेटियों के सम्मान और उनके प्रति आदर का संदेश भी देता है। कोतमा नगर में नवरात्रि के दौरान विभिन्न स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित किए जाने से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु माता रानी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। मंदिरों और पूजा स्थलों पर धार्मिक गतिविधियों के चलते लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। नवरात्रि का यह पर्व लोगों को आपसी सद्भाव, सहयोग और सामाजिक एकता का संदेश देता है। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ते हैं तथा सामूहिक रूप से पर्व की खुशियां साझा करते हैं। वार्ड क्रमांक 8 इस्लामगंज रोड स्थित शंकर मंदिर के सामने मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा की स्थापना और चौरा धाम में कन्या भोज का आयोजन इसी धार्मिक उत्साह और आस्था का प्रतीक है। मां दुर्गा से यही प्रार्थना है कि सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे।

महानवमी पर जमुना-भालूमाड़ा, कोतमा और बदरा-हरद में उमड़ा आस्था का सैलाब, दुर्गा पंडालों में उमड़ी भीड़

बाजारों में रही रौनक, जमुना कॉलोनी में आकर्षक झांकियां, झूला और मीना बाजार बने आकर्षण का केंद्र



बदरा/जमुना। शारदीय नवरात्र की महानवमी पर अनूपपुर जिले के कोयलांचल क्षेत्र जमुना, भालूमाड़ा, कोतमा, बदरा और हरद में मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही दुर्गा पंडालों में भक्तों की आवाजाही शुरू हो गई, जो देर रात तक जारी रही। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते बाजारों में रौनक छाई रही और कई स्थानों पर सड़कों व गलियों से गुजरना भी मुश्किल हो गया। महानवमी के पावन अवसर पर श्रद्धालु मां दुर्गा के दर्शन कर पूजा-अर्चना करते और सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए। क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा पंडालों में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी देवी प्रतिमाओं के समक्ष श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और माता रानी का आशीर्वाद लिया। जमुना कॉलोनी स्थित दुर्गा पंडाल में आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं। वहीं झूले और मीना बाजार में भी लोगों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। परिवार के साथ पहुंचे लोगों ने मेले का आनंद लिया। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह रहा। रंग-बिरंगी सजावट और श्रद्धालुओं की चहल-पहल से पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आया। महानवमी पर जमुना, भालूमाड़ा, बदरा सहित विभिन्न स्थानों पर विशाल भंडारों का आयोजन किया गया। आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए तरह-तरह के पकवान तैयार कराए गए और भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। भंडारों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। धार्मिक आयोजनों में स्थानीय लोगों और आयोजन समितियों की सहभागिता देखने को मिली। नवरात्र के अंतिम दिन पूरे कोयलांचल क्षेत्र में मां दुर्गा की भक्ति, धार्मिक उल्लास और सामाजिक समरसता का वातावरण दिखाई दिया। महानवमी के अवसर पर उमड़ी भीड़ ने क्षेत्र में त्योहार की रौनक को और बढ़ा दिया।

खबर संक्षेप

आस्था शुक्ला ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत ग्राम मुदरिया वार्ड क्रमांक 1 की रहने वाली आस्था शुक्ला पति पंकज शुक्ला उम्र 24 वर्ष द्वारा पारिवारिक विवाद के कारण 18/10/26 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे अपने कमरे में बंद होकर फांसी लगा ली सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महिला का अपनी सास से भी विवाद होता रहता था वह पास के ही गांव साखी की रहने वाली थी 3 साल पहले दोनों की शादी हुई थी महिला का 2 साल का बेटा भी है अपने 2 साल के बेटे को अनाथ छोड़कर के महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली कौन सा इतना बड़ा विवाद था कि महिला को अपनी जान देना पड़ा घटना के समय महिला के पति कंपनी के कार्य से भोपाल गये हुए थे,देवर नीरज शुक्ला पेट्रोल टंकी में कार्य करता है घटना के समय सास और बहू घर में थी महिला के मायके पक्ष के लोगों ने घटना की जांच कर आत्महत्या के लिए उकसाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

सोयाबीन फसल के पंजीयन की अवधि 24 अक्टूबर तक बढ़ी

कटनी। खरीफ वर्ष 2026 (विपणन वर्ष 2026-27) में प्राइस डिफिसिट पेमेंट स्कीम (भावांतर योजना) के अंतर्गत ई-उपार्जन पोर्टल पर सोयाबीन फसल के पंजीयन की अवधि बढ़ाकर अब 24 अक्टूबर 2026 तक कर दी गई है। शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी पत्र के अनुसार सोयाबीन पंजीयन की अवधि पहले 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई थी। अब संचालनालय किसान कल्याण तथा कृषि विकास के 16 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र के माध्यम से पंजीयन की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। जिले के समस्त सोयाबीन उत्पादक किसानों से अपील की गई है कि वे बढ़ाई गई अवधि का लाभ लेते हुए अपनी सोयाबीन फसल का पंजीयन 24 अक्टूबर 2026 तक अनिवार्य रूप से कराएं, ताकि भावांतर योजना के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया में शामिल हो सकें।

देवी जागरण में भजनों की धूम, आकर्षक झांकियों ने मोहा मन

उमरियापान। शारदेय नवरात्र के अवसर पर उमरियापान में धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला जारी है। इसी क्रम में बीती रात न्यू बस स्टैंड में दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में देवी जागरण का आयोजन किया गया। यहां स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से माता रानी के जयकारे लगाए। म्युजिकल ग्रुप के गायकों ने देवी गीतों और भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया।देवी जागरण के दौरान आकर्षक झांकियां भी सजाई गईं। भगवान शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण और माता काली के स्वरूप में सजे कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों पर देर रात तक श्रद्धालु तालियां बजाते रहे। देवी गीतों के साथ भजनों का सिलसिला रातभर चलता रहा। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और भक्तिमय माहौल में माता रानी की आराधना की।

परंपरिक परिधानों में बिखेरा गरबा का जलवा

बरही। तहसील अंतर्गत खितौली के आजाद चौक में शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर दुर्गा पंडाल के सामने दुर्गा समिति द्वारा महिलाओं का गरबा आयोजित किया गया सर्व प्रथम मां दुर्गा महारानी की पूजा अर्चना कर गरबा प्रारंभ किया गया महिलाओं व बच्चियों के द्वारा रंग बिरंगी पारंपरिक पोशकों गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों और माता रानी की भक्ति से सजे इस आयोजन में प्रतिभागियों ने पूरे जोश और उमंग के साथ गरबा कर उत्साह को यादगार बना दिया अतिथियों व दुर्गा समिति के लोगों ने की खूब सराहना वॉलिंटियरों ने संभाली व्यवस्था मंच संचालन कर रहे भाजपा नेता रामलाल गुप्ता मुकेश विश्वकर्मा मुख्य अतिथि के रूप में नायब तहसीलदार पुलिस चौकी प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी रहें।

नशामुक्ति पर ठोस पहल करे सरकार, अन्यथा विरोध के लिए तैयार रहे : शक्तिपुत्र जी महाराज

पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम ब्यौहारी में 134वें शक्ति चेतना जनजागरण त्रिशक्ति साधना शिविर का आयोजन, प्रथम दिवस लाखों लोगों को दिया नशामुक्ति का संदेश





ब्यौहारी। भगवती मानव कल्याण संगठन के तत्वावधान में पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम, ब्यौहारी में 134वें शक्ति चेतना जनजागरण त्रिशक्ति साधना शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर के प्रथम दिवस शक्तिपुत्र जी महाराज ने अपने चिंतन एवं संबोधन के माध्यम से लाखों लोगों को नशामुक्ति का संदेश देते हुए समाज को नशे जैसी गंभीर सामाजिक बुराई से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने नशामुक्त जीवन अपनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान नशामुक्त समाज के निर्माण, गौ संरक्षण, आध्यात्मिक चेतना के प्रसार तथा सामाजिक जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार व्यक्त किए गए। शिविर में इन विषयों को जन-जन तक पहुंचाने और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बता यह कार्यक्रम तीन दिवसीय हैं। इस दौरान भोजन व ठहरने की निशुल्क व्यवस्था की गई है। *विधानसभा चुनाव से पहले मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने की मांग*शिविर के दौरान शक्तिपुत्र जी महाराज ने मध्यप्रदेश में नशामुक्ति को लेकर सरकार से ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए वर्ष 2029 तक प्रतीक्षा करने के बजाय विधानसभा चुनाव से पहले ही इस दिशा में निर्णायक पहल की जानी चाहिए, ताकि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में ठोस परिणाम सामने आ सकें। उन्होंने सरकार से शराब बिक्री के लाइसेंस जारी नहीं करने की मांग करते हुए कहा कि यदि नशामुक्ति के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो भगवती मानव कल्याण संगठन विरोध के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि भाजपा सरकार प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए ठोस पहल करती है, तो संगठन उसके समर्थन में प्रचार करेगा। उनके इस वक्तव्य ने नशामुक्ति के मुद्दे को राजनीतिक एवं सामाजिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। इस दौरान प्रदेश में नशे की समस्या के समाधान के लिए सरकार की जिम्मेदारी और जनजागरूकता की भूमिका पर भी ध्यान आकर्षित किया गया।*नवंबर 2027 में भोपाल में नशामुक्ति आंदोलन की तैयारी*नशामुक्ति अभियान को व्यापक स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से नवंबर 2027 में भोपाल में बड़े आंदोलन की घोषणा की गई। संगठन का उद्देश्य शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए व्यापक जनसमर्थन जुटाना है। आंदोलन के माध्यम से लोगों को नशे से होने वाले सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक नुकसान के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान शराब कारोबार तथा उससे जुड़े कथित माफिया तंत्र पर भी सवाल उठाए गए। शक्तिपुत्र जी महाराज ने आरोप लगाया कि शराब माफिया को राजनीतिक संरक्षण मिलता है और राजनेताओं के रिश्तेदार भी इस कारोबार से जुड़े हुए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। संगठन ने नशामुक्ति के अभियान को जनआंदोलन का रूप देने तथा समाज के विभिन्न वर्गों को इससे जोड़ने की प्रतिबद्धता जताई।*4 दिसंबर को गौ संरक्षण के लिए भोपाल में आंदोलन*गौ सेवा एवं संरक्षण के विषय पर भी शिविर में महत्वपूर्ण घोषणा की गई। संगठन की ओर से आगामी 4 दिसंबर को भोपाल में गौ संरक्षण के लिए आंदोलन प्रस्तावित किया गया है। इसमें भगवती मानव कल्याण संगठन के 11 हजार शिष्यों के शामिल होने की बात कही गई। आंदोलन के माध्यम से गौ संरक्षण को लेकर प्रभावी कदम उठाने, गौ सेवा के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने तथा इस विषय को व्यापक स्तर पर उठाने की मांग की जाएगी। संगठन का मानना है कि गौ संरक्षण के लिए सामाजिक सहभागिता और जिम्मेदारी का भाव आवश्यक है। इसी उद्देश्य से आंदोलन के जरिए लोगों को गौ सेवा के प्रति प्रेरित करने तथा इस दिशा में ठोस पहल के लिए संबंधित स्तरों पर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया जाएगा।*सागर पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल*शिविर के दौरान सागर जिले में नशामुक्ति अभियान में जुटे संगठन के कार्यकर्ताओं को कथित रूप से परेशान किए जाने का मामला भी प्रमुखता से उठाया गया। शक्तिपुत्र जी महाराज ने इस विषय पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए संबंधित अधिकारियों से अपने व्यवहार और कार्यशैली में सुधार लाने की बात कही। उन्होंने नशामुक्ति जैसे सामाजिक अभियान में जुटे कार्यकर्ताओं के साथ उचित व्यवहार किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस मुद्दे के माध्यम से सामाजिक जागरूकता के लिए कार्य करने वाले लोगों की भूमिका और उनके प्रयासों पर भी ध्यान आकर्षित किया गया। हालांकि,*दिव्य ऋषियों के सम्मान में बनेगा भव्य मंदिर*पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम में दिव्य ऋषियों के सम्मान तथा आध्यात्मिक परंपरा को समर्पित एक भव्य मंदिर के निर्माण की भी घोषणा की गई। इस पहल को ऋषि परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने और आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मंदिर निर्माण का उद्देश्य दिव्य ऋषियों के योगदान एवं उनकी परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना को आगे बढ़ाना तथा लोगों में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है। शिविर के प्रथम दिवस नशामुक्ति, गौ संरक्षण, सामाजिक जागरण और आध्यात्मिक चेतना जैसे विषय प्रमुखता से छाए रहे। संगठन ने इन सभी अभियानों को व्यापक जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बाजे-गाजे और काली नृत्य के साथ नगर में श्रद्धापूर्वक निकाला गया ज्वारा जुलूस



बुढ़ार। शारदेय नवरात्र के पावन पर्व के नवमी दिवस पर नगर में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। नगर के प्रसिद्ध देवी मंदिरों से बाजे-गाजे और दिव्य काली नृत्य के साथ विशाल ज्वारा जुलूस निकाला गया। सोमवार की गोधूलि वेला में मां बिरासिनी देवी मंदिर एवं काली मंदिर लखेरन टोला से मां काली नगर भ्रमण के लिए निकलीं। इस दौरान विशाल जनसमूह भक्ति भाव में लीन नज़र आया। जुलूस में काली नृत्य का मुख्य आकर्षण रहा, जिसे देखने के लिए सड़कों के दोनों ओर श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। मां काली के स्वरूप के पीछे-पीछे बड़ी संख्या में माताएँ और बहनें श्रद्धापूर्वक अपने सिर पर हरे-भरे ज्वारे धारण कर चल रही थीं। नगर के प्रमुख मार्गों से गुज़रा यह जुलूस भक्तिमय भजनों, ढोल-नगाड़ों की थाप और "जय माता दी" के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। भक्तों ने स्थान-स्थान पर पुष्पवर्षा कर ज्वारा जुलूस और मां काली का स्वागत किया तथा आशीर्वाद प्राप्त किया।

पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम ब्यौहारी में 134वें शक्ति चेतना जनजागरण त्रिशक्ति साधना शिविर का आयोजन, प्रथम दिवस लाखों लोगों को दिया नशामुक्ति का संदेश

ब्यौहारी।

भगवती मानव कल्याण संगठन के तत्वावधान में पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम, ब्यौहारी में 134वें शक्ति चेतना जनजागरण त्रिशक्ति साधना शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर के प्रथम दिवस शक्तिपुत्र जी महाराज ने अपने चिंतन एवं संबोधन के माध्यम से लाखों लोगों को नशामुक्ति का संदेश देते हुए समाज को नशे जैसी गंभीर सामाजिक बुराई से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने नशामुक्त जीवन अपनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान नशामुक्त समाज के निर्माण, गौ संरक्षण, आध्यात्मिक चेतना के प्रसार तथा सामाजिक जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार व्यक्त किए गए। शिविर में इन विषयों को जन-जन तक पहुंचाने और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बता यह कार्यक्रम तीन दिवसीय हैं। इस दौरान भोजन व ठहरने की निशुल्क व्यवस्था की गई है। *विधानसभा चुनाव से पहले मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने की मांग*शिविर के दौरान शक्तिपुत्र जी महाराज ने मध्यप्रदेश में नशामुक्ति को लेकर सरकार से ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए वर्ष 2029 तक प्रतीक्षा करने के बजाय विधानसभा चुनाव से पहले ही इस दिशा में निर्णायक पहल की जानी चाहिए, ताकि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में ठोस परिणाम सामने आ सकें। उन्होंने सरकार से शराब बिक्री के लाइसेंस जारी नहीं करने की मांग करते हुए कहा कि यदि नशामुक्ति के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो भगवती मानव कल्याण संगठन विरोध के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि भाजपा सरकार प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए ठोस पहल करती है, तो संगठन उसके समर्थन में प्रचार करेगा। उनके इस वक्तव्य ने नशामुक्ति के मुद्दे को राजनीतिक एवं सामाजिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। इस दौरान प्रदेश में नशे की समस्या के समाधान के लिए सरकार की जिम्मेदारी और जनजागरूकता की भूमिका पर भी ध्यान आकर्षित किया गया।*नवंबर 2027 में भोपाल में नशामुक्ति आंदोलन की तैयारी*नशामुक्ति अभियान को व्यापक स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से नवंबर 2027 में भोपाल में बड़े आंदोलन की घोषणा की गई। संगठन का उद्देश्य शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए व्यापक जनसमर्थन जुटाना है। आंदोलन के माध्यम से लोगों को नशे से होने वाले सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक नुकसान के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान शराब कारोबार तथा उससे जुड़े कथित माफिया तंत्र पर भी सवाल उठाए गए। शक्तिपुत्र जी महाराज ने आरोप लगाया कि शराब माफिया को राजनीतिक संरक्षण मिलता है और राजनेताओं के रिश्तेदार भी इस कारोबार से जुड़े हुए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। संगठन ने नशामुक्ति के अभियान को जनआंदोलन का रूप देने तथा समाज के विभिन्न वर्गों को इससे जोड़ने की प्रतिबद्धता जताई।*4 दिसंबर को गौ संरक्षण के लिए भोपाल में आंदोलन*गौ सेवा एवं संरक्षण के विषय पर भी शिविर में महत्वपूर्ण घोषणा की गई। संगठन की ओर से आगामी 4 दिसंबर को भोपाल में गौ संरक्षण के लिए आंदोलन प्रस्तावित किया गया है। इसमें भगवती मानव कल्याण संगठन के 11 हजार शिष्यों के शामिल होने की बात कही गई। आंदोलन के माध्यम से गौ संरक्षण को लेकर प्रभावी कदम उठाने, गौ सेवा के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने तथा इस विषय को व्यापक स्तर पर उठाने की मांग की जाएगी। संगठन का मानना है कि गौ संरक्षण के लिए सामाजिक सहभागिता और जिम्मेदारी का भाव आवश्यक है। इसी उद्देश्य से आंदोलन के जरिए लोगों को गौ सेवा के प्रति प्रेरित करने तथा इस दिशा में ठोस पहल के लिए संबंधित स्तरों पर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया जाएगा।*सागर पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल*शिविर के दौरान सागर जिले में नशामुक्ति अभियान में जुटे संगठन के कार्यकर्ताओं को कथित रूप से परेशान किए जाने का मामला भी प्रमुखता से उठाया गया। शक्तिपुत्र जी महाराज ने इस विषय पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए संबंधित अधिकारियों से अपने व्यवहार और कार्यशैली में सुधार लाने की बात कही। उन्होंने नशामुक्ति जैसे सामाजिक अभियान में जुटे कार्यकर्ताओं के साथ उचित व्यवहार किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस मुद्दे के माध्यम से सामाजिक जागरूकता के लिए कार्य करने वाले लोगों की भूमिका और उनके प्रयासों पर भी ध्यान आकर्षित किया गया। हालांकि,*दिव्य ऋषियों के सम्मान में बनेगा भव्य मंदिर*पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम में दिव्य ऋषियों के सम्मान तथा आध्यात्मिक परंपरा को समर्पित एक भव्य मंदिर के निर्माण की भी घोषणा की गई। इस पहल को ऋषि परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने और आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मंदिर निर्माण का उद्देश्य दिव्य ऋषियों के योगदान एवं उनकी परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना को आगे बढ़ाना तथा लोगों में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है। शिविर के प्रथम दिवस नशामुक्ति, गौ संरक्षण, सामाजिक जागरण और आध्यात्मिक चेतना जैसे विषय प्रमुखता से छाए रहे। संगठन ने इन सभी अभियानों को व्यापक जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

अमलाई में कई स्थानों पर भव्य गरबा महोत्सव का आयोजन, बालिकाओं और बच्चों ने बिखेरी सांस्कृतिक छटा





अमलाई।

नवरात्रि के अवसर पर क्षेत्र में कई स्थानों पर भव्य गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। वार्ड क्रमांक 7, बसंतपुर दफाई में महादेव संकट मोचन दुर्गा उत्सव समिति एवं पवन कुमार चीनी मित्र मंडली द्वारा गरबा महोत्सव आयोजित किया गया, वहीं डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल, ओपीएम अमलाई में पहली बार गरबा कार्यक्रम हुआ। दोनों आयोजनों में बालिकाओं एवं बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में मनमोहक गरबा प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया।बसंतपुर दफाई में उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं सभी बालिकाओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन का नेतृत्व पार्षद पवन कुमार चीनी ने किया। कार्यक्रम में राजा तिवारी, गणेश पयासी, राकेश तिवारी गुड्डू, रश्मि खरे, अमरजीत सिंह, प्रवीण द्विवेदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अजय दहिया एवं सूरज श्रीवास्तव ने किया। सुरक्षा व्यवस्था चचाई पुलिस ने संभाली।वहीं, डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल में आयोजित गरबा कार्यक्रम में बकहो नगर परिषद उपाध्यक्ष वैभव विक्रम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विद्यालय के चेयरपर्सन वाचस्पति कुलवंत, रीजनल डायरेक्टर सुशीला कुलवंत एवं प्राचार्या विद्या बंजारे ने आयोजन की सराहना की। प्राचार्या ने कहा कि पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक गतिविधियां भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं।बरगवां के गांधीनगर में श्री श्री नवदुर्गा उत्सव समिति द्वारा भव्य गरबा का आयोजन किया गया जहाँ बच्चों और महिलाओं ने मनोमहक प्रस्तुतियां दी जिसे देखने क्षेत्रवासी भारी संख्या में पहुंचे। नगर परिषद बरगवां अमलाई की अध्यक्ष गीता गुप्ता स्वयं उपस्थित रही और कार्यक्रम में प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन किया।इन आयोजनों के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

शारदेय नवरात्र और त्यौहारों को लेकर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद, टीआई खेम सिंह प्रेंद्रो के नेतृत्व में पैदल फ्लैग मार्च



बुढ़ार। नगर में आगामी त्यौहारों और शारदेय नवरात्र को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए स्थानीय पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। पुलिस अधीक्षक डॉ संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में नगर निरीक्षक खेम सिंह प्रेंद्रो के मार्गदर्शन और नेतृत्व में पुलिस प्रशासन हर स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है। इसी कड़ी में नगर के समस्त दुर्गा पंडालों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करते हुए सतत पैदल फ्लैग मार्च निकाला गया, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना पैदा करना और नगर में अमन-चैन कायम रखने का संदेश देना है।

पुलिस बल द्वारा लगातार पेट्रोलिंग और सर्चिंग जारी

शारदेय नवरात्र की नवमी तिथि के पावन अवसर पर नगर निरीक्षक खेम सिंह प्रेंद्रो ने अपने बल के साथ नगर में निरंतर पुलिस पेट्रोलिंग की। इसके साथ ही, असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए अलग-अलग पुलिस मोबाइल पार्टियों द्वारा सघन सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है।इस सुरक्षा अभियान में थाना बुढ़ार का पूरा बल सक्रिय रूप से मुस्तैद है, जिसमें प्रमुख रूप से उप निरीक्षक रजनीश तिवारी, सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) राजा बागरी, गिरीश शुक्ला, राजेन्द्र तिवारी, मन्नू सिंह और ज्ञानेंद्र सिंह अपनी पूरी टीम के साथ सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने में जुटे हुए हैं। पुलिस की इस सक्रियता से नगरवासियों में सुरक्षा का एक मजबूत विश्वास देखने को मिल रहा है।

खबर संक्षेप

27 अक्टूबर को सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक

उमरिया। जिला स्तरीय सडक़ सुरक्षा समिति की फिजिकल बैठक का आयोजन 27 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे से कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में किया गया है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

433 क्विंटल के विरुद्ध 866 क्विंटल धान उठाव का दावा

अनूपपुर/कोतमा। सरकारी धान उपार्जन व्यवस्था में पारदर्शिता और रिकॉर्ड के सत्यापन को लेकर कोतमा के कदमटोला औद्योगिक क्षेत्र स्थित शिव राइस मिल का मामला चर्चा में है। उपार्जन वर्ष 2024-25 के दौरान मिल के लिए जारी डिलीवरी ऑर्डर (डीओ) क्रमांक 121 के विरुद्ध निर्धारित मात्रा से दोगुना धान उठाव किए जाने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि करीब 433 क्विंटल धान उठाव के लिए जारी आदेश के विरुद्ध 866 क्विंटल धान का उठाव दर्ज हुआ। यदि दस्तावेजों की जांच में यह अंतर प्रमाणित होता है, तो करीब 433 क्विंटल अतिरिक्त धान उठाव का मामला सामने आ सकता है। फिलहाल इस आरोप की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। ऐसे में संबंधित शाखा, वेयरहाउस और मिलर के अभिलेखों का निष्पक्ष मिलान कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सवाल यह है कि एक ही डीओ के विरुद्ध दो बार उठाव की प्रविष्टियां दर्ज हुईं तो उनके सत्यापन की जिम्मेदारी किसकी थी। जानकारी के अनुसार, संबंधित धान की मिलिंग का कार्य एनसीसीएफ एजेंसी के माध्यम से कराया गया था। बताया जा रहा है कि एजेंसी के कर्मचारी जब धान से जुड़े रिकॉर्ड और उपलब्ध विवरण का मिलान करने के लिए कोतमा शाखा पहुंचे, तब डीओ क्रमांक 121 के विरुद्ध कथित तौर पर दो बार धान उठाव किए जाने का मामला सामने आया। हालांकि, केवल रिकॉर्ड में दो प्रविष्टियां दिखाई देने से वास्तविक अतिरिक्त उठाव की पुष्टि नहीं मानी जा सकती। इसके लिए यह जांचना आवश्यक होगा कि दोनों प्रविष्टियां अलग-अलग उठाव की हैं, किसी एक उठाव की दोहरी प्रविष्टि हैं या अभिलेखों में किसी अन्य प्रकार की त्रुटि हुई है। दस्तावेजों का मिलान ही इस पूरे मामले की वास्तविकता स्पष्ट कर सकता है।

रानी के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब, कन्या भोज का हुआ आयोजन

शहपुरा। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर अष्टमी तिथि के अवसर पर शहपुरा नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में भक्ति, श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही मंदिरों और देवी पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। भक्तों ने माता रानी के दरबार में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की, चुनरी और नारियल अर्पित किए तथा भोग लगाकर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। अष्टमी पर्व पर धार्मिक परंपराओं का श्रद्धापूर्वक निर्वहन करते हुए विभिन्न स्थानों पर कन्या भोज का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनके चरण पूजन किए, तिलक लगाया और श्रद्धापूर्वक भोजन कराया। कन्याओं से आशीर्वाद लेकर भक्तों ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसरों और देवी पंडालों में भजन-कीर्तन, आरती और माता रानी के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। अष्टमी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से परिवार में सुख-शांति, समृद्धि, आरोग्य और खुशहाली की प्रार्थना की। भक्तों का विश्वास था कि सच्चे मन से की गई माता की आराधना से सभी कष्ट दूर होते हैं और जीवन में नई ऊर्जा का संचार होता है। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों का उत्साह और धार्मिक आस्था देखते ही बन रही थी। अष्टमी पर्व पर आयोजित पूजा-अर्चना, कन्या भोज और धार्मिक कार्यक्रमों ने पूरे शहपुरा क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। हर ओर मां दुर्गा की भक्ति, श्रद्धा और जयकारों की गूंज सुनाई देती रही।

कन्या पूजन, भंडारे, गरबा और बंगाली ढाक और काली नृत्य ने बांधा समां

महाअष्टमी पर रातभर चला मां कालरात्रि का विशेष अनुष्ठान, प्रतीकात्मक बलि अर्पित






367 पूजा पंडालों में विशेष पूजा-अर्चना

बुधवार को जिले के 29 स्थानों पर होगा रावण दहन, सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात

अनूपपुर। शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी पर अनूपपुर जिले में रविवार की रात से सोमवार की सुबह तक देवी आराधना का विशेष दौर चला। जिले के दुर्गा पूजा पंडालों और मंदिरों में मां कालरात्रि की विशेष पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठान किए गए। कई स्थानों पर गरबा, बंगाली ढाक और पारंपरिक काली नृत्य की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। श्रद्धालुओं ने देर रात तक माता के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। सोमवार को नवमी के अवसर पर पूजा-पंडालों में कन्या पूजन और भंडारों का आयोजन जारी रहा। वहीं, बुधवार 21 अक्टूबर को जिले के 29 स्थानों पर रावण दहन किया जाएगा, जिसके लिए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा संबंधी तैयारियां की हैं।

रेलवे दुर्गा पंडाल में सुबह 7.30 बजे तक चला अनुष्ठान

महाअष्टमी पर जिले के विभिन्न पूजा पंडालों में मां कालरात्रि की विशेष पूजा की गई। जिला मुख्यालय सहित पसान, जैतहरी, कोतमा, बिजुरी और अमरकंटक में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। रेलवे दुर्गा पूजा पंडाल में विशेष अनुष्ठान सोमवार तड़के सुबह 4 बजे शुरू हुआ, जो सुबह 7.30 बजे तक चला। इस दौरान प्रतीकात्मक बलि भी दी गई। कई पूजा समितियों ने पारंपरिक धार्मिक आयोजनों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बंगाली ढाक की गूंज और काली नृत्य की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। महिलाओं और पुरुषों ने भी विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भाग लिया।

367 स्थानों पर स्थापित हैं दुर्गा प्रतिमाएं

जिले में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, करीब 367 छोटे-बड़े सार्वजनिक पूजा पंडालों और मंदिरों में दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इनमें 193 छोटी और 174 बड़ी प्रतिमाएं शामिल हैं। थाना क्षेत्रों के अनुसार चचाई में सबसे अधिक 41 प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। बिजुरी में 38, करनपठार में 35, अनूपपुर कोतवाली और रामनगर में 33-33, देवहरा और फुनगा में 28-28, कोतमा और राजेंद्रग्राम में 26-26 तथा जैतहरी में 25 प्रतिमाएं स्थापित हैं। भालूमाड़ा में 24, अमरकंटक में 13 और सरई में 10 प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। वेंकटनगर में सबसे कम सात प्रतिमाएं स्थापित होने की जानकारी है। जिला मुख्यालय अनूपपुर में इंदिरा तिराहा, अमरकंटक तिराहा, रेलवे स्टेशन परिसर, रेलवे चौक, आदर्श मार्ग, स्टेट बैंक मार्ग, पुराना पोस्ट ऑफिस चौराहा, सब्जी मंडी, सामतपुर और कोतमा रोड सहित विभिन्न स्थानों पर दुर्गा प्रतिमाएं विराजित हैं। देवी मढ़िया, त्रिमूर्ति देवी मढ़िया, बूढ़ी माई मंदिर, पटौरा टोला स्थित माता मंदिर, खेरमाई मढ़िया और सिद्धबाबा आश्रम में भी श्रद्धालु पूजा-अर्चना कर रहे हैं। जैतहरी क्षेत्र के शारदा मंदिर लाइनपार, दुर्गा मंदिर लाइनपार, सिद्धबाबा डोंगरिया, छिंदी माता मंदिर सिवनी, हनुमान मंदिर धनगवां और दुर्गा माता मंदिर कल्याणपुर में महाअष्टमी पर विशेष भोग अर्पित किया गया।

कन्या पूजन और भंडारों में उमड़े श्रद्धालु

सोमवार को नवमी के आयोजनों के तहत विभिन्न पूजा पंडालों में कन्या पूजन किया गया। कन्याओं को हलवा, चना और पूरी का प्रसाद अर्पित कर श्रद्धालुओं ने देवी स्वरूप में उनकी पूजा की। इसके साथ ही सार्वजनिक भंडारों का आयोजन भी जारी रहा। पसान नगरपालिका क्षेत्र के जमुना और भालूमाड़ा में करीब 24 स्थानों तथा जैतहरी में 25 स्थानों पर भंडारे आयोजित किए जा रहे हैं। नवरात्र के अंतिम दिनों में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पूजा समितियां व्यवस्थाओं में जुटी रहीं।

अमरकंटक में भी बढ़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवरात्र के दौरान धार्मिक नगरी अमरकंटक में भी श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ी है। मां नर्मदा के दर्शन के साथ नवजात शिशुओं के मुंडन और छोर कर्म संस्कार कराने के लिए भी परिवार पहुंच रहे हैं। प्रमुख पूजा पंडालों, मेलों और नर्मदा घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पीटीएस उमरिया से मिले 22 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों के साथ स्थानीय थानों के बल को भी तैनात किया गया है। अनूपपुर, जैतहरी, कोतमा, बिजुरी, पसान और अमरकंटक में प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल, होमगार्ड और विशेष सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी के साथ महिला पुलिसकर्मियों की भी ड्यूटी लगाई गई है, ताकि नवमी के आयोजन और भंडारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रहे।

जिले के 29 स्थानों पर होगा रावण दहन

पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के अनुसार, बुधवार 21 अक्टूबर को जिले में 29 स्थानों पर रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं। थाना क्षेत्रों के अनुसार चचाई में सबसे अधिक आठ स्थानों पर रावण दहन होगा। बिजुरी में छह, रामनगर में पांच, भालूमाड़ा में तीन तथा अनूपपुर कोतवाली और जैतहरी में दो-दो स्थानों पर आयोजन होगा। कोतमा, राजेंद्रग्राम और अमरकंटक में एक-एक स्थान पर रावण दहन किया जाएगा। नवरात्र के धार्मिक आयोजनों के बाद अब जिले में विजयादशमी की तैयारियां तेज हो गई हैं। विभिन्न स्थानों पर रावण के पुतलों का निर्माण और आयोजन स्थलों पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। पुलिस प्रशासन के सामने त्योहार के दौरान भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने की जिम्मेदारी रहेगी।

महाष्टमी पर नर्मदा मंदिर में शास्त्रोक्त विधि से हुआ हवन-पूजन

हवन में पुरुषों एवं महिलाओं ने मनोयोग से लिया भाग

मंत्रोच्चार से भक्तिमय हुआ नर्मदा उद्गम परिसर




अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में शारदीय नवरात्रि की महाष्टमी के पावन अवसर पर पतित पावनी पुण्य सलिला मां नर्मदा के उद्गम स्थल परिसर स्थित यज्ञशाला में परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ शास्त्रोक्त विधि से हवन-पूजन संपन्न हुआ। हवन के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों से पूरा परिसर भक्तिमय बना रहा। नवरात्रि के दौरान होने वाले इस विशेष हवन-पूजन का श्रद्धालुओं को प्रतिवर्ष बेसब्री से इंतजार रहता है। इसमें पुरुषों एवं महिलाओं ने श्रद्धा और भक्ति के साथ सहभागिता की। मां नर्मदा उद्गम परिसर की यज्ञशाला में हवन-पूजन का शुभारंभ दोपहर 3 बजे हुआ, जो संध्याकाल लगभग 8 बजे तक चलता रहा। संपूर्ण अनुष्ठान आचार्य पंडित कामता प्रसाद द्विवेदी (नीलू महाराज) के मार्गदर्शन में शास्त्रोक्त विधि-विधान के अनुसार संपन्न कराया गया। इस दौरान नर्मदा मंदिर के पुजारीगण ने वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ हवन में आहुतियां अर्पित कीं। धार्मिक अनुष्ठान में पंडित उमेश द्विवेदी, पंडित उत्तम द्विवेदी, पंडित धनेश द्विवेदी, पंडित राजेश द्विवेदी, पंडित जुगुल द्विवेदी, पंडित नंदन द्विवेदी, पंडित गोपी द्विवेदी, विनायक द्विवेदी, हर्ष द्विवेदी, श्रीयंक द्विवेदी, धर्मेंद्र द्विवेदी, रविंद्र द्विवेदी, जीतेंद्र द्विवेदी, रूपेश द्विवेदी, सुनील द्विवेदी एवं राधेश्याम उपाध्याय सहित अन्य पुजारीगण की सहभागिता रही। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर अश्विन शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र एवं सोमवार, 19 अक्टूबर 2026 को मां नर्मदा उद्गम परिसर स्थित हवन कुंड में धार्मिक परंपराओं के अनुरूप आहुतियां अर्पित की गईं। श्रद्धालुओं ने मां भगवती की आराधना करते हुए सुख-समृद्धि, परिवार की मंगलकामना और जनकल्याण की भावना से हवन में सहभागिता की। उल्लेखनीय है कि पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा उद्गम मंदिर में निर्धारित तिथि के अनुसार धार्मिक पर्वों एवं अनुष्ठानों का विशेष महत्व रहता है। इसी परंपरा के अनुरूप इस वर्ष नर्मदा मंदिर परिसर में 19 अक्टूबर, सोमवार को महाष्टमी का आयोजन किया गया। वहीं, 18 अक्टूबर, रविवार को नगर की विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं के समक्ष हवन-पूजन एवं आरती के कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इसके पश्चात 19 अक्टूबर को अनेक स्थानों पर कन्या पूजन और भंडारे के माध्यम से श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद वितरित किया गया। शारदीय नवरात्रि के इन धार्मिक आयोजनों के माध्यम से पवित्र नगरी अमरकंटक में देवी आराधना, आस्था और सनातन परंपराओं का वातावरण बना रहा। मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर संपन्न हवन-पूजन ने श्रद्धालुओं को धार्मिक अनुष्ठान में सहभागी बनने का अवसर प्रदान किया।

महिला से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के मामले में आरोपी को दोहरा आजीवन कारावास

कोतमा के प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश विक्रम सिंह की अदालत का फैसला

वैज्ञानिक साक्ष्य और डीएनए रिपोर्ट बनी अहम कड़ी



कोतमा। महिला के साथ दुष्कर्म और बर्बरता के साथ जघन्य हत्या के मामले में कोतमा न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश विक्रम सिंह की अदालत ने आरोपी दीपक कोल को दोषसिद्ध ठहराते हुए दोहरे आजीवन कारावास सहित विभिन्न धाराओं में कठोर कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है। मामले में विशेष लोक अभियोजक वृंदा चौहान ने अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी की। न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत परिस्थितिजन्य एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों ने आरोपी के अपराध को साबित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभियोजन के अनुसार, घटना 9 फरवरी 2021 की है। कोतमा थाना क्षेत्र के निंगवानी गांव निवासी 40 वर्षीय महिला शाम करीब सात बजे बस्ती स्थित अपने घर में खाना खाने के बाद दूसरे मकान में सोने चली गई थी। वह इस मकान में अकेली रहती थी, जबकि बस्ती वाले घर में उसके पुत्र-पुत्री और परिवार के अन्य सदस्य रहते थे। अगले दिन महिला के घर का दरवाजा दिनभर बंद रहा। संदेह होने पर उसके पुत्र ने दूसरी चाबी से ताला खोला तो महिला खाट पर मृत अवस्था में मिली। शव की स्थिति और घटनास्थल पर मिले साक्ष्यों से उसके साथ बर्बरता किए जाने के संकेत मिले। प्रकरण में कोई प्रत्यक्षदर्शी साक्षी नहीं था। ऐसे में पुलिस ने गहन विवेचना और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपी दीपक कोल को गिरफ्तार किया। अभियोजन पक्ष द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों में मृतिका के घर की दूसरी चाबी का आरोपी के घर की अलमारी से बरामद होना महत्वपूर्ण रहा। जांच के दौरान घटनास्थल पर संघर्ष के संकेत मिले। घर का सामान बिखरा हुआ था तथा बालों के गुच्छे और फटे कपड़े बरामद हुए थे। आरोपी की कमीज के दो बटन भी घटनास्थल से मिले। इसके अतिरिक्त, मृतिका और आरोपी से संबंधित रक्त तथा वैजाइनल स्लाइड के डीएनए परीक्षण की रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई। इन साक्ष्यों को अभियोजन पक्ष ने आरोपी के विरुद्ध महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषसिद्ध ठहराते हुए भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में सजा सुनाई। धारा 302 आजीवन कारावास और 1,000 रुपये अर्थदंड। धारा 376ए 20 वर्ष का सश्रम कारावास। धारा 376 10 वर्ष का कारावास और 500 रुपये अर्थदंड। धारा 380 3 वर्ष का कारावास और 500 रुपये अर्थदंड। धारा 201 5 वर्ष का सश्रम कारावास और 500 रुपये अर्थदंड। विशेष लोक अभियोजक वृंदा चौहान की पैरवी में अभियोजन पक्ष ने परिस्थितिजन्य साक्ष्यों, बरामदगी और डीएनए जांच के निष्कर्षों के आधार पर घटनाक्रम की कड़ियां न्यायालय के समक्ष रखीं। न्यायालय ने प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते हुए दंडादेश पारित किया।

दृष्टिबाधित कलाकारों के भजनों से भक्तिमय हुई अमरकंटक में अष्टमी की रात





मानस मंडल दुर्गा समिति वार्ड क्रमांक 11 में भजन संध्या एवं जगराता का आयोजन

ओडिशा से पहुंचे कलाकारों ने देवी भजनों की दी शानदार प्रस्तुति

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना हुआ है। इसी क्रम में रविवार को महाष्टमी के अवसर पर मानस मंडल दुर्गा समिति, वार्ड क्रमांक 11 में भजन संध्या एवं जगराता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ओडिशा से पहुंचे ष्टिबाधित कलाकारों ने अपनी सुरीली आवाज और शानदार गायन से उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। देवी भजनों की मधुर प्रस्तुतियों से पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया और देर तक श्रद्धालु भक्ति के रंग में सराबोर नजर आए। कार्यक्रम में 'जीवन नेत्र भजन संध्या' के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक देवी भजनों एवं आध्यात्मिक गीतों की प्रस्तुति दी। भजनों की मधुर धुन और संगीत के साथ कलाकारों ने ऐसा समां बांधा कि श्रोता मंत्रमुग्ध होकर भक्ति संगीत का आनंद लेते रहे। जगराता के दौरान श्रद्धालु माता के भजनों पर झूमते, नाचते और थिरकते दिखाई दिए। छत्तीसगढ़ी भजनों सहित विभिन्न भक्ति गीतों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा किया।

दृष्टिबाधित कलाकारों ने प्रतिभा से जीता श्रद्धालुओं का दिल

भजन संध्या की सबसे खास बात यह रही कि इसमें अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले कलाकार दृष्टिबाधित थे। ओडिशा के नवरंग गांव से आए गायक लिपू जेना सहित उनके साथी कलाकारों ने अपनी गायकी और संगीत की कला से लोगों को प्रभावित किया। दल में दृष्टिबाधित महिला एवं पुरुष कलाकार शामिल रहे, जिन्होंने सामूहिक रूप से देवी भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। दृष्टिबाधित होने के बावजूद कलाकारों ने जिस आत्मविश्वास, लगन और संगीत के प्रति समर्पण के साथ भजनों का गायन किया, उसने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। उनकी प्रस्तुतियों में भक्ति के साथ संगीत के प्रति गहरी साधना और प्रतिभा की झलक देखने को मिली। कलाकारों की आवाज और संगीत की संगत ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।

भक्ति में लीन हुए श्रद्धालु, कलाकारों को दी पुरस्कार राशि

जगराता कार्यक्रम के दौरान माता के जयकारों और भक्ति गीतों से पंडाल गूंजता रहा। श्रद्धालु देर तक भजनों का आनंद लेते रहे। कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों से प्रसन्न होकर श्रोताओं ने उन्हें पुरस्कार स्वरूप राशि भी प्रदान की। इससे कलाकारों का उत्साह बढ़ा और उन्होंने पूरे जोश के साथ अपनी प्रस्तुतियां जारी रखीं। महाष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने न केवल श्रद्धालुओं को भक्ति संगीत से जोड़ा, बल्कि ष्टिबाधित कलाकारों की प्रतिभा को सामने लाने का अवसर भी प्रदान किया। अमरकंटक में पहली बार इन ष्टिबाधित कलाकारों की भजन संध्या को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम ने यह संदेश भी दिया कि प्रतिभा किसी शारीरिक बाधा की मोहताज नहीं होती। दृढ़ इच्छाशक्ति, लगन और साधना के बल पर कलाकार अपनी कला से लोगों के हृदय में विशेष स्थान बना सकते हैं।

चूल्हा मोड़ घाट में सड़क पर फंसा अनियंत्रित ट्राला, दो से तीन घंटे लगा रहा जाम



शहपुरा।

डिंडौरी-शहपुरा मार्ग पर अमठेरा के पास चूल्हा मोड़ स्थित घाट में एक ट्राला अनियंत्रित होकर सड़क पर फंस गया। इसके चलते मार्ग पर यातायात बाधित हो गया और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब दो से तीन घंटे तक जाम की स्थिति बने रहने से वाहन चालकों और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान कई लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए इंतजार करना पड़ा।जानकारी के अनुसार, चूल्हा मोड़ के घाट पर ट्राला अनियंत्रित होने के बाद सड़क पर ही फंस गया। मार्ग संकरा होने के कारण अन्य वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और देखते ही देखते दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। जाम के कारण छोटे-बड़े वाहन काफी देर तक फंसे रहे। इससे यात्रियों और राहगीरों को भी असुविधा का सामना करना पड़ा।

डिंडौरी-शहपुरा मार्ग क्षेत्र का प्रमुख आवागमन मार्ग है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही होती है। ऐसे में घाट पर भारी वाहन के फंसने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। करीब दो से तीन घंटे तक वाहन चालकों को जाम खुलने का इंतजार करना पड़ा, जिससे लोगों का समय भी बर्बाद हुआ।चूल्हा मोड़ जैसे घाट वाले मार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही के दौरान विशेष सावधानी की जरूरत होती है। ऐसे स्थानों पर किसी वाहन के अनियंत्रित होकर फंसने से यातायात बाधित होने के साथ ही दुर्घटना की आशंका भी बढ़ जाती है। घटना ने घाट वाले मार्गों पर यातायात सुचारु बनाए रखने और भारी वाहनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है।